श्रीभैरव यज्ञ भस्म रक्षा कवच

Gurudev Rraj Verma
9897507933, 7500292413

भैरव शब्द का संक्षिप्त भावार्थ– जिनसे क्लेश एवं दुष्टजन भयभीत रहते हैं, जिनके भय से वायु चलती है, सूर्य तपता है, इन्द्र जल वृष्टि करता है, लोकपाल भयभीत होते हैं, जो विश्व के भरण–पोषणकर्ता और संहारकर्ता हैं तथा जो महाभयंकर शब्दकारी है, जो दस महाविद्याओं के ईश्वर हैं, जो अखिल ब्रह्माण्ड की संरचना एवं विनाश करने वाले हैं, उनका नाम भैरव

Gurudev Rraj Verma
9897507933, 7500292413

है। भगवान् भैरव सबके ग्रहीता, दाता एवं कर्ता हैं। मास, पक्ष भैरव के शरीर हैं, दिनरात्रि वस्त्र हैं, ऋतुएं इन्द्रियां हैं। यही कालसंज्ञक ब्रह्म हैं।

यज्ञ अग्नि की महिमा– जो अग्नि के स्वरूप को जानकर अग्नि की आराधना करता है, उसके ऐहिक तथा परलौकिक कार्यों में अग्नि सारथि का कार्य करते हैं– (शुभकर्मनिर्णय)।

शास्त्रों में द्विजाति के लिये अग्नि को प्रत्यक्ष देवता और गुरु कहा है। 'अग्निर्देवो द्विजातिनाम्'– (लौगाक्षिस्मृति)। 'गुरुरग्निर्द्विजातीनाम्'– (पद्मपुराण)।

श्रीभैरव यज्ञ भस्म की आवश्यकता एवं लाभ– आजकल धनी एवं प्रसिद्ध लोग भीतरी एवं बाहरी शत्रुओं की बुरी नजर एवं उनके षडयन्त्रों के कारण भयभीत एवं चिंतित देखे जाते हैं। इसलिये उन शत्रुओं की मानसिकता तो नहीं बदली जा सकती, लेकिन दैवीय शक्तियों द्वारा अपनी, अपने परिवार और अपने धन–सम्पत्तिकी सुरक्षा अवश्य की जा सकती है। शास्त्र आज्ञा देता है– मनुष्य स्वयं को अजर अमर मानकर धन और विद्या का उपार्जन करे तथा मृत्युने मेरे केश पकड़े हुए हैं, ऐसा समझकर सदैव धर्मका पालन करे। जिस स्थान पर भगवान् भैरव की यज्ञ अग्नि की जाग्रत भस्म ऊर्जा विद्यमान हो, वहां कोई भी नकारत्मक ऊर्जा किसी भी प्रकार से कोई हानि नहीं कर सकती। यह महाभैरव यज्ञ प्रत्येक अमावस्या एवं पूर्णिमाके दिन

हमारे द्वारा सम्पन्न किया जाता है। जो साधक इस दिव्य भस्म ताबीजको धारण करना चाहते हों, वह हमसे सम्पर्क कर सकते हैं।

ईर्ष्या, जलन एवं दुश्मनी के कारण कई लोग भूत प्रेत बाधासे ग्रसित देखें जाते हैं, इस दिव्य भस्म ताबीज को धारण करने वाले मनुष्य को कोई भी भूत प्रेत आदि शक्तियां स्पर्श भी नहीं कर सकती।

गर्भवती स्त्रियों को इस भस्म को अवश्य धारण करना चाहिये। भैरव भस्म कवच की भांति माता और गर्भ की सभी बुरी शक्तियों से रक्षा करती है।

इस भैरव भस्म को अपने वाहन पर स्थापित करने से वाहन दुर्घटना दोष से अपनी एवं वाहन की सुरक्षा की जा सकती है।

कई रोगी मनुष्य जिनका कई उपचार करने पर भी रोग शांत नहीं होते, उनको भी इस दिव्य भस्म ताबीज को अवश्य धारण करना चाहिये।

जिस घर में सदैव अकारण कलह अशांति का वास हो, उस घरके मन्दिरमें भैरवजी की पूजा कर दिव्य भस्म को स्थापित करने से शांतिका वास होता है।

कोई साधक किसी भी देवता की उपासना करता हो, पूजा के समय इस दिव्य भस्म ताबीज को धारण करने से समस्त मंत्र शीघ्र फल देते हैं।

जो छोटे शिशु बार–बार किसी बीमारी, नजर अथवा ऊपरी साये से ग्रसित होते हों अथवा रात्रिकालमें अकारण डरते या रोते हों, उनको यह दिव्य भैरव भस्म ताबीज अवश्य धारण करना चाहिये।

गुप्त शत्रुओंके प्रहार, अकाल मृत्यु अथवा किसी अन्य भय से रक्षा हेतु महाभैरव की भस्म को धारण करने से उत्तम कवच और क्या हो सकता है।

कोई नया व्यापार आरम्भ करने पर व्यापारस्थल में पवित्र स्थान पर श्रीभैरव भस्म को विधिवत स्थापित करने से व्यापारमें शुभ स्थिरता रहती है।

इस महाभस्म को धारण करने से कई प्रकार के लाभ होते हैं। बहुत लोगों के अनुभव इसमें सम्मिलित है। जो यज्ञ अग्नि के प्रति और महाभैरव के प्रति भक्ति एवं आस्था रखते हों तथा जो पूर्ण रूपसे शाकाहारी हों, केवल उनके लिये ही यह सिद्ध भस्म ताबीज उपलब्ध है। पूजा कर्म के अतिरिक्त नित्य संसारिक कर्म भी शुद्ध और पवित्र होने पर ही देवलोक से आवश्यक सहायता प्राप्त होती है। स्वयं मनुष्य के द्वारा किये गये शुभ अशुभ कर्म ही भविष्यमें उसे सुख और दुःख प्रदान करते हैं। (गुरुदेव राज वर्मा)

Gurudev Raj Verma

Mob- +91-9897507933 +91-7500292413

Website- mahakalshakti.wordpress.com

Website- www.scribd.com/mahakalshakti

Email- mahakalshakti@gmail.com

Gurudev Rraj Verma
9897507933, 7500292413